an>

Titel: Need to take stringent action against quacks and doctors indulging in unethical medical practices in the country.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, फर्जी डिग्री वाले चिकित्सकों का पेशा देशभर में निर्बाध गति से चल रहा है। इस संबंध में कई बार समाचार-पत्रों में छप चुका है। यह मामला देश की 120 करोड़ जनता के जीवन से जुड़ा हुआ है। फिर भी गांव से शहर तक के अस्पताल एवं प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के साथ-साथ माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बावजूद नर्सिंग होम एक्ट का कारगर नहीं होना, राष्ट्रीय प्रत्यानन बोर्ड का प्रयोगशालाओं पर अंकुश नहीं होना, चिकित्सक का अनावश्यक एवं ऊँची कीमत की किसी खास कम्पनी की दवा लिखने के साथ-साथ अनावश्यक अत्यधिक जांच लिखना, जांच में कमीशनखोरी, महिला मरीज के साथ शारीरिक शोषण के अलावा चिकित्सक के द्वारा अधिक एवं बार-बार फीस वसूलना एवं अन्य प्रकार की समस्या जो स्वास्थ्य से जुड़ी हैं एवं जानलेवा बीमारी जैसे कैंसर, किडनी, लीवर आदि बीमारियों का नःशुल्क इलाज (खासकर गरीब, दलित, अल्पसंख्यक एवं अन्य पिछड़ा वर्ग) तथा करीब पांच महीने पहले एक न्यूज चैनल के स्टिंग ऑपरेशन के आलोक में कहा गया था कि रोकथाम के लिए एक कमेटी बनायी जाएगी तथा एम.सी.आई. इंतजार कर रही है कि सरकार इस पर रोकथाम के लिए क्या कदम उठा रही है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस संबंध में अविलंब ठोस कदम उठाए जाएं एवं अन्य आयोगों की तरह एक ऐसे आयोग की स्थापना की जाए, जिसे स्वास्थ्य से संबंधित सारी जानकारी हो एवं स्वास्थ्य से जुड़ा कोई भी अवैध कार्य करने वाले व्यक्ति, संस्था एवं कंपनी पर तुरंत कार्रवाई करने का अधिकार हो।

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : सर, पप्पू यादव जी विषय को ले कर इतना अच्छा बोले हैं। वे यही काम हरेक दिन कर सकते हैं। हमें समझ नहीं आता कि वे क्यों हंगामा करते हैं। ...(व्यवधान)